: शोध सारांश एवं आलेखों का प्रेषण :

प्रतिभागियों से निवेदन है कि शोध पत्रों के सारांश अधिकतम 300 शब्दों में एवं पूर्ण पत्र 1000 से 2500 शब्दों में टंकित कर प्रेषित करें। शोध पत्र अंग्रेजी में टाइम्स न्यू रोमन लिपि तथा हिन्दी में कृति देव–10 फॉन्ट में एमएस वर्ड में निम्न ईमेल पर दिनांक 13 फरवरी 2025 तक प्रेषित करें।

प्रतिभागी अपना नाम, मोबाइल नम्बर, पूर्ण पता, पद और ईमेल एड्रेस भी अंकित करें।

संगोष्ठी के समय शोध–पत्र की हार्ड कॉपी भी साथ में लायें।

शोध सारांश एवं पूर्ण शोध–पत्र

ईमेल **iksseminarmlb@gmail.com** पर प्रेषित करें ।

नोट – उक्तलिखित निर्धारित समय से प्राप्त शोध–पत्रों में से चयनित शोध–पत्रों का यथोचित संपादन के पश्चात् प्रकाशन किया जाएगा । अतएव शोध पत्र लेखन में गुणवत्ता एवं मानक संदर्भीकरण अनिवार्य है ।

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी कार्यक्रम

15 फरवरी 2025

- स्वल्पाहार एवं स्पॉट रजिस्ट्रेशन – प्रातः 09:30 बजे से
- उद्घाटन सत्र
- प्रथम एवं द्वितीय तकनीकी सत्र

16 फरवरी 2025

- तृतीय तकनीकी सत्र प्रारम्भ – पूर्वाह्न 10:30 बजे से
- समापन सत्र

(सत्रों के मध्य भोजन एवं चाय हेतु अवकाश)

आयोजन स्थल

अटल बिहारी भवन सभागार

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, ग्वालियर

अचलेश्वर मंदिर के पास, लश्कर, ग्वालियर, म.प्र. – 474 009

http://mlbcollegegwalior.org/

आयोजन समिति

डॉ. प्रदीप गुप्ता
समन्वयक

धीरेन्द्र सिंह भदौरिया
संयोजक

डॉ. राजेन्द्र वैद्य
आयोजन सचिव

डॉ. आर. सी. गुप्ता
संयोजक, आई.क्यू.ए.सी.

डॉ. संध्या बोहरे
कला संकाय अध्यक्ष

डॉ. अर्चना अग्रवाल
संयोजक संपादन

डॉ. बी. के. शर्मा
प्रभारी, आई.के.एस. इकाई

डॉ. भारती कार्णिक
सदस्य, आई.क्यू.ए.सी.

डॉ. आर. के. गुप्ता
वित्त नियंत्रक

श्री राजकुमार वाजपेई
संयोजक, ग्वालियर विभाग, न्यास

डॉ. हेमन्त शर्मा
प्राध्यापक, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वा.

डॉ. बी.पी.एस. जादौन
प्राचार्य, शा. विज्ञान महाविद्यालय, ग्वा.

डॉ. कल्पना कुशवाह
प्रांत संयोजक, शोध प्रकल्प

डॉ. मनीष खेमरिया
प्राचार्य, संस्कृत महाविद्यालय, ग्वा.

डॉ. शैलेन्द्र मोहिते
प्रधान संपादक, शोधायन जर्नल

कार्यकारी एवं तकनीकी समिति

डॉ. नीरज कुमार झा
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन विभाग

डॉ. अशोक कुमार
संस्कृत विभाग

डॉ. रविकांत द्विवेदी
अंग्रेजी विभाग

श्री राजकमल जादौन
सदस्य, शि.सं.उत्थान न्यास

सलाहकार मण्डल

डॉ. अशोक कड़ेल
निदेशक, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

डॉ. राकेश ढांड
प्रान्त संयोजक, मध्यभारत, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

श्री ओम प्रकाश शर्मा
सहसंयोजक, मध्य क्षेत्र, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

समस्त विभागाध्यक्ष
शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, ग्वालियर

संपर्क

डॉ. आर. के. वैद्य 8319590956

डॉ. प्रदीप गुप्ता 9425119995

डॉ. नीरज कुमार झा 9826514591

ईमेल : **iksseminarmlb@gmail.com**

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
National Research Seminar

बहुविषयी शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान परम्परा : प्रासंगिकता एवं संभावनाएँ

Indian Knowledge System in Multidisciplinary Education System : Relevance and Possibilities

दिनांक : 15 एवं 16 फरवरी 2025 (शनिवार एवं रविवार)

स्थान : शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, ग्वालियर

श्री मनोज श्रीवास्तव
आयुक्त, म.प्र. चुनाव आयोग

डॉ. चांद किरण सलूजा
अकादमी निदेशक
संस्कृत सं. प्रतिष्ठान नई दिल्ली

श्री सुरेश गुप्ता
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
शि.सं.उत्थान न्यास, नई दिल्ली

प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे
कुल गुरु, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला वि.वि., ग्वालियर

प्रो. कुमार रत्नम
अतिरिक्त संचालक
उच्च शिक्षा, ग्वा.–चंबल संभाग

प्रो. योगेश उपाध्याय
कुल गुरु, आईटीएम विश्वविद्या.
ग्वालियर

श्री दीपेन्द्र सिंह कुशवाह
अतिरिक्त महाधिवक्ता
उच्च न्यायालय, म.प्र., ग्वालियर खण्डपीठ
अध्यक्ष, जन भागीदारी समिति

डॉ. राजेन्द्र बांदिल
अध्यक्ष, मध्य भारत शिक्षा समिति
ग्वालियर

प्रो. हरीश कुमार अग्रवाल
प्राचार्य एवं संगोष्ठी संरक्षक
महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्या., ग्वालियर

आयोजक

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, ग्वालियर

स्वशासी उत्कृष्ट संस्थान (NAAC GRADE "A")

(आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ)

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली, विभाग ग्वालियर

भारतीय ज्ञान परम्परा

प्राचीन काल से हमारा देश भारत उच्च मूल्यों, ज्ञान-विज्ञान एवं श्रेष्ठ परम्पराओं का देश रहा है। भारतीय ज्ञान परम्परा ने विविध क्षेत्रों जैसे दर्शन, राजनीति, खगोल, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद, जीवन विज्ञान, पर्यावरण, वाणिज्य, गणित, संगीत, ज्योतिष, चिकित्सा, भौतिकी, रसायन शास्त्र, स्थापत्य कला आदि बहुविषयी क्षेत्रों में ज्ञान देकर समाज एवं मानव जाति की उन्नति में अतुलनीय योगदान दिया है। भारतीय ज्ञान परम्परा सदैव मानव मूल्यों की वाहक रही है एवं सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानने के विचार को पोषित करती है। जैसा कि यह सुप्रसिद्ध श्लोक स्पष्ट करता है-

अयं निजः परो वेति, गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु, वसुधैव कुटुम्बकम्।।

भारतीय ज्ञान परम्परा न केवल प्राचीन काल में बल्कि आज भी ज्ञान के विविध क्षेत्रों में अपनी प्रासंगिकता एवं आवश्यकता बनाए हुए है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्राचीन काल से चली आ रही अध्ययन-अध्यापन की पद्धति एवं अनुसंधान को आधुनिक युग में नवीन तकनीकी एवं साधनों के माध्यम से रूचिकर, उन्नत, समृद्ध एवं प्रभावी बनाने पर बल देती है।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में प्राचीन भारतीय ज्ञान, संस्कृति, सभ्यता, विरासत, सनातन मूल्य, परम्परायें एवं शिक्षण पद्धतियों को आधुनिक शैक्षणिक पद्धति एवं व्यवस्था में समावेशित एवं अभिसंथित करना है।

संगोष्ठी के उपविषय

1. प्राचीन भारत की शिक्षा प्रणाली में बहुविषयकता।
2. प्राचीन भारत एवं गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था।
3. औपनिवेशिक भारत में शिक्षा।
4. भारत की शिक्षा व्यवस्था में स्वायत्तता।
5. स्वतंत्र भारत की शिक्षा में प्राचीन ज्ञान के अध्ययन की प्रासंगिकता।
6. प्राचीन आश्रम व्यवस्था एवं शिक्षा।
7. शैक्षणिक स्वायत्तता और भारतीय ज्ञान परम्परा।
8. शिक्षा में शैक्षणिक स्वायत्तता की आवश्यकता।
9. भारतीय ज्ञान परम्परा में विषय एवं अन्वेषण।
10. वैदिक गणित : महत्व एवं प्रासंगिकता।
11. राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 एवं भारतीय ज्ञान परम्परा।
12. वर्तमान शिक्षा में भारतीय ज्ञान परम्परा।
13. भारतीय ज्ञान परम्परा एवं प्रबंधन शिक्षा।
14. भारतीय ज्ञान परम्परा में शास्त्र एवं शस्त्रविद्या।
15. भारत की ज्ञान परम्परा।
16. आधुनिक संदर्भ में भारतीय ज्ञान परम्परा की उपादेयता।
17. अन्य प्रासंगिक उप-विषय।

ग्वालियर - ऐतिहासिक विहंगावलोकन

ऋषि गालव की तपोभूमि, संगीत सम्राट तानसेन की जन्म स्थली, राजामानसिंह तोमर की सिंहासित भूमि तथा 1857 की क्रांति वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के रक्त से सिंचित यह भूमि-ग्वालियर ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश राज्य के उत्तर में स्थित ग्वालियर के आस-पास औद्योगिक क्षेत्र भी स्थित है। यहाँ के प्रमुख पर्यटन स्थल, ग्वालियर दुर्ग, तेली का मंदिर, मानमंदिर महल, जयविलास महल और संग्रहालय, तानसेन की समाधि, मोहम्मद गौस का मकबरा, विवस्वान सूर्य मंदिर, गोपाचल पर्वत तथा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई शहीद स्मारक हैं। फरवरी में यहाँ तापमान 18 से 25 डिग्री सेल्सियस रहता है। ग्वालियर का राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल, शहर को दिल्ली, मुंबई, इन्दौर, भोपाल व जबलपुर से जोड़ता है। ग्वालियर का रेलवे स्थानक देश के विविध रेलवे स्थानकों से जुड़ा हुआ है। यह उत्तर मध्य रेलवे का प्रमुख स्टेशन है।

महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

नगर के सुप्रसिद्ध अचलेश्वर मंदिर के निकट स्थित इस महाविद्यालय का गौरवमयी इतिहास रहा है। महाविद्यालय के भवन का शिलान्यास एवं विक्टोरिया कॉलेज के रूप में नामकरण सन् 1887 में हुआ था। इस संस्थान का आरंभ लश्कर मदरसा के रूप में सन् 1846 में हुआ था तथा सन् 1957 में इस का पुनः नामकरण वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के नाम पर किया गया। इस महा विद्यालय में सन् 1992 में अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष का भव्य समारोह तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति श्री रामास्वामी वेंकटरमण की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ था। यह महाविद्यालय पूर्व प्रधानमंत्री माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री हरिहर निवास द्विवेदी, कैप्टन रूप सिंह जैसी महान विभूतियों की अध्ययन स्थली रहा है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की शुरुआत 02 जुलाई 2004 में 'शिक्षा बचाओ आन्दोलन' के रूप में हुई थी। स्व. श्री दीनानाथ बत्रा एवं श्री अतुल भाई कोठारी के नेतृत्व में राष्ट्रवादियों के इस आन्दोलन का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विकृतियों को हटाने और इसके स्वरूप के विरूपण को दूर करना था। भारत की शिक्षा को संस्कारित करने की प्रक्रिया को निरन्तर रखने एवं व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु इस आन्दोलन को 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' के रूप में दिनांक 24 मई 2007 को संस्थागत किया गया। न्यास का ध्येय वाक्य है:

"देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलो।"

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

बहुविषयी शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान परम्परा: प्रासंगिकता एवं संभावनाएँ

दिनांक : 15-16 फरवरी 2025 (शनिवार एवं रविवार)

पंजीयन

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुल्क - रु. 400/- (रूपये चार सौ मात्र)

यू.पी आई द्वारा शुल्क जमा करने के लिए निम्नांकित क्यू.आर कोड का उपयोग करें।

नोट - क्यूआर कोड स्कैन करने पर डिस्पले हुए बैंकिंग नेम DHIRENDRA SINGH BHADAURIA कन्फर्म कर लें।

रजिस्ट्रेशन के लिए निम्नांकित लिंक अथवा क्यूआर कोड का उपयोग करें।

https://forms.gle/arrsqngDEjq3hTE46

ऑनस्पॉट रजिस्ट्रेशन शुल्क - रु. 500/- (रूपये पाँच सौ मात्र)

(प्रतिभागियों को मार्ग व्यय एवं आवास की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।)